UNIVERSITY OF ALLAHABAD
PUBLIC RELATIONS OFFICE

qsx.Email: prodrau@gmail.com; Mobile: +9335129772

No. P.R.O/37(PR)/2021-22 Date: September 7, 2024

To,

The News Editor,
The Times of India, NIP, the Pioneer, Hindustan Times, Hindustan, Amar Ujala, Compact, Amrit Prabhat, Dainik Jagran, i-Next, Swatantra Chetna, United Bharat, Aaj, Swatantra Bharat, Daily News Activist.

Sir,

Kindly publish the following news item in your esteemed daily free of cost and oblige.
Thanking you,

Yours faithfully,

Public Relation Officer

Press Release

As per the information received from the Public Relations Officer, Allahabad University.

इलाहबाद विश्वविद्यालय द्वारा आज से आज़ादी का अमृत उत्सव के अवसर दो दिवसीय नाट्य महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है. नाट्य महोत्सव के पहले दिन रामनगर उत्तराखंड के प्रसिद्द नाट्य संथा भोर सोसाइटी द्वारा "गोरा साधु" नाटक की प्रस्तुति की गयी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश माननीय श्री विक्रम नाथ , ऐ डी जी अल्लाहाबाद जोन श्री प्रेम प्रकाश, जिलाधिकारी श्री संजय खत्री उपस्थित थे। युवा, भावुक और विचारशील संस्था भोर सोसाइटी , कला और रंगमंच की इस विरासत को उभारने के लिए व्यापक रूप से काम कर रही है। संस्था कला और रंगमंच को मिलाकर लोगों की आवाज उठाने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और 26 देशों के कला और रंगमंच प्रेमियों और कलाकारों के साथ काम कर रही है।भोर सोसाइटी ने कला और रंगमंच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की प्रतिबद्धता विभिन्न प्रस्तुतियों एवं को व्यक्त किया है। इसी क्रम में इलाहबाद विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित इस २ दिवसीय नाट्य महोत्सव में जिम कॉर्बेट के जीवन पर आधारित “गोरा साधु” नाटक की प्रस्तुति की गयी। यह एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट या जिम कॉर्बेट के बारे में एक नाटक है। यह नाटक दुनिया भर में पर्यावरण क्षरण पर अपनी चिंता व्यक्त करता है। जैसा कि ठीक ही कहा गया है - प्रकृति के पास हर किसी की जरूरत के लिए बहुत कुछ है लेकिन लालच के लिए नहीं। इंसानों के लालच ने उन्हें प्रकृति के प्रति पूरी तरह अंधा बना दिया है। गोरा साधु की कहानी एक छोटे से शहर रामनगर से शुरू होती है जिसे कॉर्बेट सिटी के नाम से भी जाना जाता है। अधिकांश व्यवसाय केंद्र कॉर्बेट के नाम पर चलते हैं, लेकिन यहाँ विडंबना है कि शहर के अधिकांश लोगों को इस बात से कोई सरोकार नहीं है कि उन्हें इस आदमी जिम कॉर्बेट के बारे में कोई जानकारी नहीं है। फिर भी उसी शहर में अभी भी कुछ बुजुर्ग लोग हैं जो जिम कॉर्बेट के साथ रहे थे। उन्हीं में से एक हैं दामोदर जो जिम कॉर्बेट की कहानी सुनाते हैं। वह याद करते हैं कि जिम कॉर्बेट कुशल शिकारी थे, लेकिन उनके शिकार केवल आदमखोर बाघ थे। वास्तव में नाटक से यह भी पता चलता है कि उसे शिकार करना बहुत पसंद था लेकिन वह कभी भी निर्दोष बाघों को मारना नहीं चाहता था। बाद में भारत से केन्या के लिए रवाना होने के बाद उन्होंने अपने ही अंदाज में जानवरों की शूटिंग का विरोध करना जारी रखा। उन्होंने कहा- "शूट करो लेकिन सिर्फ कैमरे से।" यह नाटक एडवर्ड जेम्स कॉर्बेट को एक पशु प्रेमी के रूप में एक बहुत ही अलग चरित्र के साथ प्रस्तुत करता है। यह इस भ्रान्ति से काफी अलग है जैसे कि अक्सर हमें यह बताया जाता है कि वह प्रसिद्धि के लिए एक शत्रुतापूर्ण शिकारी बाघ है और एक शिकारी के रूप में खुद को संतुष्ट करने के लिए है। नाटक का निर्देशन संजय रिखारी द्वारा किया गया । इस अवसर पर

नाटक में अन्य कलाकार जिन्होंने काम किया उनमे अमित तिवारी कैसर राणा, हिमांशु काला, कृतिका राणा तानिया निषाद और खिलेंदर शर्मा शामिल हैं।

A two-day Theatre Festival is being organized by Allahabad University on the occasion of Azadi ka Amrit Mahotsav . On the first day of the Theatre Festival, the drama "Gora Sadhu" was presented by the famous theatre troupe Bhor Society of Ramnagar, Uttarakhand. Among the distinguished guests on the occasion were Hon'ble Justice Vikram Nath, A.D.G. Allahabad zone shri Prem Prakash, District Magistrate Shri Sanjay Khatri were present. Bhor Society is an organization of young, passionate and thoughtful artists, is working extensively to uplift this heritage of art and theatre. The organization is strongly committed to raising the voice of the people in the fusion of arts and theatre, working with art and theater lovers and artists from 26 countries. The Bhor Society is committed to excellence in art and theatre, through various productions and presentations. In this context during the first day of the theatre festival organized by Allahabad University, the play "Gora Sadhu" based on the life of Jim Corbett was presented.It is a play about Edward James Corbett or Jim Corbett. The play shows its concern on worldwide environmental degradation. As it is rightly said - there is much for everyone's need but not for greed . The greed of humans has definitely made them completely blind towards nature. The story line of Gora Sadhu begins from a small town Ramnagar which is also known as a Corbett city. Most of the business centres run on the name of Corbett but here lies the irony as most of the city people have no concern with the fact they have no idea about this man Jim Corbett. Nevertheless in the same city there are still some elderly people who had been with Jim Corbett. One of them is Damodar who narrates the story of Jim Corbett. He recalls that Jim Corbett was the skillful hunter but only of man-eater tigers. In fact the play also reveals that he loved hunting but never wanted to kill innocent tigers. Later, after leaving India for Kenya, he continued to oppose the shooting of animals in his own style. He said - "shoot but only with a camera". This play brings a very different character of Edward James Corbett and animal lover. It is quite different from the fact that it is often told to us that he is a hostile Hunter tigers for Fame and to satisfy himself as a hunter. The play was directed by Sanjay Rikhari. Other actors who acted on the occasion include Amit Tiwari, Kaiser Rana, Himanshu Kala, Kritika Rana, Tania Nishad and Khilender Sharma.

Joint Registrar (Exam.) AU:

Examination Programme of Master of Liberal Studies I Semester 2021-22. Place: G.B.Pant S.S.I. Jhusi, Time: 11:00am to 1:00pm

Date	Course CODE	Paper
14/06/2022	MLS 501	Introduction to Social Sc./Liberal studies
15/06/2022	MLS 502	Social Ecology and Ecological Economics
16/06/2022	MLS 503	Fundamental of Sociology
17/06/2022	MLS 504	Indian Political System